Dainik Bhaskar (Indore), 07th June 2023, Page – 01

भास्कर एनालिसिस • प्रयोगों से नेशनल रैंकिंग में बढ़े अंक, आय से बढ़ा रहे सुविधाएं

बदल रहे कैम्पस: पढ़ाने के साथ कमाई भी IIT ने 26 और IIM ने कमाए 68 करोड़

▪ रिसर्च, कंसल्टेंसी और एग्जीक्यूटिव एजुकेशन प्रोग्राम से कर रहे आमदनी

सौदामिनी मुजुमदार | इंदौर

शिक्षा के केंद्र पढ़ाने के साथ नए प्रयोगों से अब कमाई भी कर रहे हैं। नेशनल इंस्टिट्यूशनल रैंकिंग फ्रेमवर्क (एनआईआईएफ) की सोमवार को जारी रैंकिंग के बाद भास्कर ने जब इंदौर के दोनों बड़े इंस्टिट्यूट आईआईटी और आईआईएम द्वारा किए जा रहे नवाचारों की पड़ताल की तो यह खुलासा हुआ। पिछले साल आईआईटी ने रिसर्च, कंसल्टेंसी और एग्जीक्यूटिव प्रोग्राम के जरिये 26 तो आईआईएम इंदौर ने इन्हीं प्रयोगों के माध्यम से 68 करोड़ रुपए कमाए हैं। संस्थान इस राशि से संसाधन और सुविधाएं बढ़ा रहे हैं।

आईआईटी इंदौर ने तीन सालों में न केवल अपने कोर्स और कैम्पस पर बल्कि स्पॉन्सर्ड रिसर्च, कंसल्टेंसी प्रोजेक्ट और एग्जीक्यूटिव डेवलपमेंट के क्षेत्र में काफी काम किया है। कंसल्टेंसी प्रोजेक्ट से संस्थान की आय एक ही साल में दोगुनी से ज्यादा बढ़ गई है। पिछले साल आईआईटी के पास 39 कंसल्टेंसी प्रोजेक्ट थे, जो इस साल बढ़कर 63 हो गए हैं। संस्थान ने शोध और कंसल्टेंसी पर फोकस किया और तीन सालों में अपने कई ऑपरेशनल खर्च इन्हीं से अर्जित कमाई से पूरे किए हैं। इसी तरह आईआईएम इंदौर ने भी बड़े पैमाने पर कंसल्टेंसी प्रोजेक्ट लिए हैं। शैक्षणिक वर्ष 2021-22 में आईआईएम को 29 करोड़ रुपए कंसल्टेंसी प्रोजेक्ट के माध्यम से प्राप्त हुए हैं। आईआईएम को 3 फंडिंग एजेंसीज से 14 रिसर्च स्पॉन्सर हुए हैं, जिससे संस्था को 88 लाख रुपए मिले हैं, आईआईटी को 30 फंडिंग एजेंसीज ने 206 रिसर्च प्रोजेक्ट दिए हैं। इससे संस्था को 22.06 करोड़ मिले। पहले आईआईटी के पास 37 फंडिंग एजेंसी के 353 रिसर्च प्रोजेक्ट थे।

आईआईएम इंदौर की आय दो साल में 53 से 68 करोड़ पर पहुंची

	21-22	आय	20-21	आय
स्पॉन्सर्ड रिसर्च	14	0.88 करोड़	19	0.37 करोड़
कंसल्टेंसी प्रोजेक्ट	151	29.5 करोड़	71	26.7 करोड़
एग्जीक्यूटिव प्रोग्राम	22	38.4 करोड़	11	26.7 करोड़
कुल (करोड़ में)		68.78		53.77

कंसल्टेंसी में दोगुना हुई आईआईटी की आमदनी, कुल आय घटी

	21-22	आय	20-21	आय
स्पॉन्सर्ड रिसर्च	206	22.06 करोड़	353	25.63 करोड़
कंसल्टेंसी प्रोजेक्ट	63	3.46 करोड़	39	1.56 करोड़
एग्जीक्यूटिव प्रोग्राम	1	0.64 करोड़	0	0
कुल (करोड़ में)		26.16		27.19

एग्जीक्यूटिव एजुकेशन IIM की ताकत, IIT भी बढ़ा इसमें

एग्जीक्यूटिव एजुकेशन में आईआईटी इंदौर ने पिछले साल ही अपना पहला कोर्स शुरू किया है। इसमें कुल 37 छात्र थे, जिससे संस्था को 64 लाख रुपए का राजस्व मिला। वहीं आईआईएम इंदौर इस मामले में बहुत आगे है। संस्थान ने इस तरह के 22 प्रोग्राम से 38 करोड़ रुपए की आय अर्जित की है। इनमें कुल 1300 से अधिक प्रतिभागी शामिल हुए थे। पिछले साल के मुकाबले आईआईएम ने कोर्स में दोगुना वृद्धि की है। इनमें छात्रों की संख्या में लगभग ढाई गुना से अधिक इजाफा हुआ है।

एक्सपर्ट व्यू - सभी संस्थान चाहते हैं कि वे कार्पस बढ़ाकर स्ववित्तपोषित बने

सभी बड़े आईआईएम अपने यहां एमबीए, एग्जीक्यूटिव एमबीए और एग्जीक्यूटिव एजुकेशन पर फोकस करते हैं क्योंकि इससे उनका राजस्व बढ़ता है। आईआईएम के लिए ये जरूरी भी है, क्योंकि इन संस्थाओं को सरकारी फंडिंग कम मिलती है। वहीं आईआईटी के लिए विद्यार्थियों की फीस कुल राजस्व का एक छोटा हिस्सा है। सरकार और इंडस्ट्रीज उनके साथ शोध करना चाहते हैं। सभी संस्थाएं अपना कार्पस बढ़ाना और स्ववित्तपोषित बनना चाहती हैं। कई आईआईएम के कार्पस में 1500 करोड़ रुपए तक हैं। उस फंड से मिलने वाले ब्याज मात्र से वे अपने ऑपरेशनल खर्च निकाल सकते हैं।

-एन रविचंद्रन, पूर्व निदेशक, आईआईएम इंदौर